Rev

Chapter 19

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	Μετὰ	ταῦτα	ἤκουσα	ὡς	φωνὴν	μεγάλην	ὄχλου	πολλοῦ	ἐν	τῷ	οὐρανῷ,
	बाद	इन	मैंने-सुना	जैसी	आवाज़	बड़ी	भीड़	बहुत-की	में	उस	स्वर्ग
	G3326	G3778	G0191	G5613	G5456	G3173	G3793	G4183	G1722	G3588	G3772

λεγόντων,	Ἀλληλουϊά!	ἡ	σωτηρία	καὶ	ἡ	δόξα	καὶ	ἡ	δύναμις	τοῦ
कहती-हुई	हल्लेलूयाह	वह	उद्धार	और	वह	महिमा	और	वह	शक्ति	उस
G3004	G0239	G3588	G4991	G2532	G3588	G1391	G2532	G3588	G1411	G3588

Θεοῦ	ἡμῶν!
परमेश्वर-की	हमारे
G2316	G1473

> इसके पश्चात् मैंने भीड़ का सा एक ऊँचा स्वर सुना। लोग कह रहे थे: “हल्लिलूय्याह! परमेश्वर की जय हो, जय हो! महिमा और सामर्थ्य सदा हो!

2	ὅτι	ἀληθιναὶ	καὶ	δίκαιαι	αἱ	κρίσεις	αὐτοῦ;	ὅτι	ἔκρινεν	τὴν	πόρνην
	क्योंकि	सच्चे	और	धार्मिक	वे	न्याय	उसके	क्योंकि	न्याय-किया	उस	वेश्या-को
	G3754	G0228	G2532	G1342	G3588	G2920	G0846	G3754	G2919	G3588	G4204

τὴν	μεγάλην,	ἥτις	ἔφθειρεν	τὴν	γῆν	ἐν	τῇ	πορνείᾳ	αὐτῆς,	καὶ
उस	बड़ी	जिसने	भ्रष्ट-किया	उस	पृथ्वी-को	में	उस	व्यभिचार	उसके	और
G3588	G3173	G3748	G5351	G3588	G1093	G1722	G3588	G4202	G0846	G2532

ἐξεδίκησεν	τὸ	αἷμα	τῶν	δούλων	αὐτοῦ,	ἐκ	χειρὸς	αὐτῆς.
बदला-लिया	वह	लहू	उन	दासों	उसके	से	हाथ	उसके
G1556	G3588	G0129	G3588	G1401	G0846	G1537	G5495	G0846

> उसके न्याय सदा सच्चे हैं, धर्म युक्त हैं, उस महती वेश्या का उसने न्याय किया है, जिसने अपने व्यभिचार से इस धरती को भ्रष्ट किया था जिनको उसने मार दिया उन दास जनों की हत्या का प्रतिशोध हो चुका।”

3	καὶ	δεύτερον	εἴρηκαν,	Ἀλληλουϊά!	καὶ	ὁ	καπνὸς	αὐτῆς	ἀναβαίνει	εἰς
	और	दूसरी-बार	कहा	हल्लेलूयाह	और	वह	धुआँ	उसका	चढ़ता-है	में
	G2532	G1208	G2046	G0239	G2532	G3588	G2586	G0846	G0305	G1519

τοὺς	αἰῶνας	τῶν	αἰώνων.
उन	युगों	उन	युगों-के
G3588	G0165	G3588	G0165

> उन्होंने यह फिर गाया: “हल्लिलूय्याह! जय हो उसकी उससे धुआँ युग युग उठेगा।”

4	καὶ	ἔπεσαν	οἱ	πρεσβύτεροι	οἱ	εἴκοσι	τέσσαρες,	καὶ	τὰ	τέσσαρα	ζῷα,
	और	गिरे	वे	प्राचीन	वे	चौबीस	चार	और	वे	चार	प्राणी
	G2532	G4098	G3588	G4245	G3588	G1501	G5064	G2532	G3588	G5064	G2226

καὶ	προσεκύνησαν	τῷ	Θεῷ,	τῷ	καθημένῳ	ἐπὶ	τῷ	θρόνῳ,	λέγοντες,
और	पूजा-की	उस	परमेश्वर-को	उस	बैठे-हुए	पर	उस	सिंहासन	कहते-हुए
G2532	G4352	G3588	G2316	G3588	G2521	G1909	G3588	G2362	G3004

Ἀμήν,	Ἀλληλουϊά!
आमेन	हल्लेलूयाह
G0281	G0239

> फिर चौबीसों प्राचीनों और चारों प्राणियों ने सिंहासन पर विराजमान परमेश्वर को झुक कर प्रणाम किया और उसकी उपासना करते हुए गाने लगे: “आमीन! हल्लिलूय्याह!” जय हो उसकी।

5 καὶ φωνὴ ἀπὸ τοῦ θρόνου ἐξῆλθεν, λέγουσα, Αἰνεῖτε τῷ Θεῷ ἡμῶν,
और आवाज़ से उस सिंहासन निकली कहती-हुई स्तुति-करो उस परमेश्वर-को हमारे
G2532 G5456 G0575 G3588 G2362 G1831 G3004 G0134 G3588 G2316 G1473

πάντες οἱ δοῦλοι αὐτοῦ, ‹καὶ› οἱ φοβούμενοι αὐτόν, οἱ μικροὶ καὶ
सब वे दास उसके और वे डरनेवाले उससे वे छोटे और
G3956 G3588 G1401 G0846 G2532 G3588 G5399 G0846 G3588 G3398 G2532

οἱ μεγάλοι!
वे बड़े
G3588 G3173

> स्वर्ग से फिर एक आवाज़ आयी जो कह रही थी: “हे उसके सेवकों, तुम सभी हमारे परमेश्वर का स्तुति गान करो तुम चाहे छोटे हो, चाहे बड़े बने हो, जो उससे डरते रहते हो।”

6 Καὶ ἤκουσα ὡς φωνὴν ὄχλου πολλοῦ, καὶ ὡς φωνὴν ὑδάτων πολλῶν,
और मैंने-सुना जैसी आवाज़ भीड़ बहुत-की और जैसी आवाज़ पानियों बहुत-की
G2532 G0191 G5613 G5456 G3793 G4183 G2532 G5613 G5456 G5204 G4183

καὶ ὡς φωνὴν βροντῶν ἰσχυρῶν, λεγόντων, Ἀλληλουϊά, ὅτι ἐβασίλευσεν
और जैसी आवाज़ गरजों शक्तिशाली कहती-हुई हल्लेलूयाह क्योंकि राज्य-करता-है
G2532 G5613 G5456 G1027 G2478 G3004 G0239 G3754 G0936

Κύριος ὁ Θεός ἡμῶν ὁ Παντοκράτωρ.
प्रभु वह परमेश्वर हमारा वह सर्वशक्तिमान
G2962 G3588 G2316 G1473 G3588 G3841

> फिर मैंने एक बड़े जनसमुद्र का सा शब्द सुना जो एक विशाल जलप्रवाह और मेघों के शक्तिशाली गर्जन-तर्जन जैसा था। लोग गा रहे थे: “हल्लिलूय्याह! उसकी जय हो, क्योंकि हमारा प्रभु परमेश्वर! सर्वशक्ति सम्पन्न राज्य कर रहा है।

7 χαίρωμεν καὶ ἀγαλλιῶμεν, καὶ δώσομεν τὴν δόξαν αὐτῷ; ὅτι ἦλθεν ὁ
आनन्दित-हों और उल्लास-करें और दें वह महिमा उसे क्योंकि आया वह
G5463 G2532 G0021 G2532 G1325 G3588 G1391 G0846 G3754 G2064 G3588

γάμος τοῦ Ἀρνίου, καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἡτοίμασεν ἑαυτήν.
विवाह उस मेम्ने-का और वह पत्नी उसकी तैयार-किया अपने-आप-को
G1062 G3588 G0721 G2532 G3588 G1135 G0846 G2090 G1438

> सो आओ, खुश हो-हो कर आनन्द मनाएँ आओ, उसको महिमा देवें! क्योंकि अब मेमने के ब्याह का समय आ गया उसकी दुल्हन सजी-धजी तैयार हो गयी।

8 καὶ ἐδόθη αὐτῇ ἵνα περιβάληται βύσσινον, λαμπρὸν; καθαρόν τὸ γὰρ
और दिया-गया उसे ताकि वस्त्रित-हो महीन-कपड़ा चमकीला शुद्ध वह क्योंकि
G2532 G1325 G0846 G2443 G4016 G1039 G2986 G2513 G3588 G1063

βύσσινον, τὰ δικαιώματα τῶν ἁγίων ἐστίν.
महीन-कपड़ा वे धार्मिक-कार्य उन पवित्रों-के हैं
G1039 G3588 G1345 G3588 G0040 G1510

> उसको अनुमति मिली स्वच्छ धवल पहन ले वह निर्मल मलमल!” (यह मलमल संत जनों के धर्ममय कार्यों का प्रतीक है।)

9 Καὶ λέγει μοι, Γράψον, Μακάριοι οἱ εἰς τὸ δεῖπνον τοῦ γάμου
और कहता-है मुझे लिख धन्य वे में उस भोज उस विवाह-के
G2532 G3004 G1473 G1125 G3107 G3588 G1519 G3588 G1173 G3588 G1062

τοῦ Ἀρνίου κεκλημένοι. καὶ λέγει μοι, Οὗτοι οἱ λόγοι ἀληθινοὶ τοῦ
उस मेम्ने-के बुलाए-हुए और कहता-है मुझे ये वे वचन सच्चे उस
G3588 G0721 G2564 G2532 G3004 G1473 G3778 G3588 G3056 G0228 G3588

Θεοῦ εἰσιν.
परमेश्वर-के हैं
G2316 G1510

> फिर वह मुझसे कहने लगा, “लिखो वे धन्य हैं जिन्हें इस विवाह भोज में बुलाया गया है।” उसने फिर कहा, “ये परमेश्वर के सत्य वचन हैं।”

10

καὶ	ἔπεσα	ἔμπροσθεν	τῶν	ποδῶν	αὐτοῦ	προσκυνῆσαι	αὐτῷ.	καὶ	λέγει
और	मैं-गिरा	आगे	उन	पैरों	उसके	पूजा-करने-को	उसे	और	कहता-है
G2532	G4098	G1715	G3588	G4228	G0846	G4352	G0846	G2532	G3004

μοι,	Ὅρα	μή.	σύνδουλός	σού	εἰμι,	καὶ	τῶν	ἀδελφῶν	σου,	τῶν	ἐχόντων
मुझे	देख	नहीं	संगी-दास	तेरा	हूँ	और	उन	भाइयों	तेरे	उन	रखनेवालों
G1473	G3708	G3361	G4889	G4771	G1510	G2532	G3588	G0080	G4771	G3588	G2192

τὴν	μαρτυρίαν	Ἰησοῦ.	τῷ	Θεῷ	προσκύνησον;	ἡ	γὰρ	μαρτυρία	Ἰησοῦ
वह	गवाही	यीशु-की	उस	परमेश्वर-को	पूजा-कर	वह	क्योंकि	गवाही	यीशु-की
G3588	G3141	G2424	G3588	G2316	G4352	G3588	G1063	G3141	G2424

ἐστιν	τὸ	πνεῦμα	τῆς	προφητείας.
है	वह	आत्मा	उस	भविष्यद्वाणी-की
G1510	G3588	G4151	G3588	G4394

> और मैं उसकी उपासना करने के लिए उसके चरणों में गिर पड़ा। किन्तु वह मुझसे बोला, “सावधान! ऐसा मत कर। मैं तो तेरे और तेरे बधुंओं के साथ परमेश्वर का संगी सेवक हूँ जिन पर यीशु के द्वारा साक्षी दिए गए सन्देश के प्रचार का दायित्व है। परमेश्वर की उपासना कर क्योंकि यीशु के द्वारा प्रमाणित सन्देश इस बात का प्रमाण है कि उनमें एक नबी की आत्मा है।”

11

Καὶ	εἶδον	τὸν	οὐρανὸν	ἠνεῳγμένον,	καὶ	ἰδοὺ,	ἵππος	λευκός,	καὶ	ὁ
और	मैंने-देखा	वह	स्वर्ग	खुला-हुआ	और	देखो	घोड़ा	श्वेत	और	वह
G2532	G3708	G3588	G3772	G0455	G2532	G3708	G2462	G3022	G2532	G3588

καθήμενος	ἐπ’	αὐτὸν,	καλούμενος	Πιστὸς	καὶ	Ἀληθινός,	καὶ	ἐν	δικαιοσύνῃ
बैठा-हुआ	पर	उस	कहलाता	विश्वासी	और	सच्चा	और	में	धार्मिकता
G2521	G1909	G0846	G2564	G4103	G2532	G0228	G2532	G1722	G1343

κρίνει	καὶ	πολεμεῖ.
न्याय-करता-है	और	युद्ध-करता-है
G2919	G2532	G4170

> फिर मैंने स्वर्ग को खुलते देखा और वहाँ मेरे सामने एक सफेद घोड़ा था। घोड़े का सवार विश्वसनीय और सत्य कहलाता था क्योंकि न्याय के साथ वह निर्णय करता है और युद्ध करता है।

12

οἱ	δὲ	ὀφθαλμοὶ	αὐτοῦ	[ὡς]	φλὸξ	πυρός,	καὶ	ἐπὶ	τὴν	κεφαλὴν	αὐτοῦ
वे	और	आँखें	उसकी	जैसी	लपट	आग-की	और	पर	उस	सिर	उसके
G3588	G1161	G3788	G0846	G5613	G5395	G4442	G2532	G1909	G3588	G2776	G0846

διαδήματα	πολλά,	ἔχων	ὄνομα	γεγραμμένον,	ὃ	οὐδεὶς	οἶδεν,	εἰ	μὴ
मुकुट	बहुत	रखता-हुआ	नाम	लिखा-हुआ	जो	कोई	जानता-है	यदि	नहीं
G1238	G4183	G2192	G3686	G1125	G3739	G3762	G1492	G1487	G3361

αὐτός,
वही
G0846

> उसकी आँखें ऐसी थीं मानों अग्नि की लपट हो। उसके सिर पर बहुत से मुकुट थे। उस पर एक नाम लिखा था, जिसे उसके अतिरिक्त कोई और नहीं जानता।

13

καὶ	περιβεβλημένος	ἱμάτιον	βεβαμμένον	αἵματι;	καὶ	κέκληται	τὸ	ὄνομα
और	वस्त्रित	वस्त्र	डुबोया-हुआ	लहू-में	और	बुलाया-गया-है	वह	नाम
G2532	G4016	G2440	G0911	G0129	G2532	G2564	G3588	G3686

αὐτοῦ,	Ὁ	Λόγος	τοῦ	Θεοῦ.
उसका	वह	वचन	उस	परमेश्वर-का
G0846	G3588	G3056	G3588	G2316

> उसने ऐसा वस्त्र पहना था जिसे लहू में डुबाया गया था। उसे नाम दिया गया था, “परमेश्वर का वचन।”

14	καὶ	τὰ	στρατεύματα	τὰ	ἐν	τῷ	οὐρανῷ	ἠκολούθει	αὐτῷ	ἐφ’	ἵπποις
	और	वे	सेनाएँ	वे	में	उस	स्वर्ग	पीछे-आ-रही-थीं	उसके	पर	घोड़ों
	G2532	G3588	G4753	G3588	G1722	G3588	G3772	G0190	G0846	G1909	G2462

λευκοῖς,	ἐνδεδυμένοι	βύσσινον,	λευκὸν	καθαρόν.
श्वेत	पहने-हुए	महीन-कपड़ा	श्वेत	शुद्ध
G3022	G1746	G1039	G3022	G2513

> सफेद घोड़ों पर बैठी स्वर्ग की सेनाएँ उसके पीछे पीछे चल रही थीं। उन्होंने शुद्ध श्वेत मलमल के वस्त्र पहने थे।

15	καὶ	ἐκ	τοῦ	στόματος	αὐτοῦ	ἐκπορεύεται	ῥομφαία	ὀξεῖα,	ἵνα	ἐν	αὐτῇ
	और	से	उस	मुँह	उसके	निकलती-है	तलवार	तेज़	ताकि	में	उससे
	G2532	G1537	G3588	G4750	G0846	G1607	G4501	G3691	G2443	G1722	G0846

πατάξῃ	τὰ	ἔθνη;	καὶ	αὐτὸς	ποιμανεῖ	αὐτοὺς	ἐν	ῥάβδῳ	σιδηρᾷ;	καὶ
मारे	वे	जातियों-को	और	वही	चराएगा	उन्हें	में	लाठी	लोहे-की	और
G3960	G3588	G1484	G2532	G0846	G4165	G0846	G1722	G4464	G4603	G2532

αὐτὸς	πατεῖ	τὴν	ληνὸν	τοῦ	οἴνου	τοῦ	θυμοῦ	τῆς	ὀργῆς	τοῦ	Θεοῦ
वही	रौंदता-है	वह	कुण्ड	उस	दाखरस	उस	क्रोध	उस	क्रोध-के	उस	परमेश्वर-के
G0846	G3961	G3588	G3025	G3588	G3631	G3588	G2372	G3588	G3709	G3588	G2316

τοῦ	Παντοκράτορος.
उस	सर्वशक्तिमान
G3588	G3841

> अधर्मियों पर प्रहार करने के लिए उसके मुख से एक तेज धार की तलवार बाहर निकल रही थी। वह उन पर लोहे के दण्ड से शासन करेगा और सर्वशक्ति सम्पन्न परमेश्वर के प्रचण्ड क्रोध की धानी में वह अंगूरों का रस निचोड़ेगा।

16	καὶ	ἔχει	ἐπὶ	τὸ	ἱμάτιον	καὶ	ἐπὶ	τὸν	μηρὸν	αὐτοῦ,	ὄνομα
	और	रखता-है	पर	उस	वस्त्र	और	पर	उस	जांघ	उसकी	नाम
	G2532	G2192	G1909	G3588	G2440	G2532	G1909	G3588	G3382	G0846	G3686

γεγραμμένον,	ΒΑΣΙΛΕΥΣ	ΒΑΣΙΛΕΩΝ	ΚΑΙ	ΚΥΡΙΟΣ	ΚΥΡΙΩΝ.
लिखा-हुआ	राजा	राजाओं-का	और	प्रभु	प्रभुओं-का
G1125	G0935	G0935	G2532	G2962	G2962

> उसके वस्त्र तथा उसकी जाँघ पर लिखा था: राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु

17	Καὶ	εἶδον	ἕνα	ἄγγελον	ἑστῶτα	ἐν	τῷ	ἡλίῳ;	καὶ	ἔκραξεν	ἐν	φωνῇ
	और	मैंने-देखा	एक	स्वर्गदूत	खड़ा-हुआ	में	उस	सूर्य	और	चिल्लाया	में	आवाज़
	G2532	G3708	G1520	G0032	G2476	G1722	G3588	G2246	G2532	G2896	G1722	G5456

μεγάλῃ,	λέγων	πᾶσιν	τοῖς	ὀρνέοις	τοῖς	πετομένοις	ἐν	μεσουρανήματι,	Δεῦτε
बड़ी	कहता-हुआ	सब	उन	पक्षियों	उन	उड़ते-हुए	में	मध्य-आकाश	आओ
G3173	G3004	G3956	G3588	G3732	G3588	G4072	G1722	G3321	G1205

συνάχθητε	εἰς	τὸ	δεῖπνον	τὸ	μέγα	τοῦ	Θεοῦ,
इकट्ठा-हो	में	उस	भोज	उस	बड़े	उस	परमेश्वर-के
G4863	G1519	G3588	G1173	G3588	G3173	G3588	G2316

> इसके बाद मैंने देखा कि सूर्य के ऊपर एक स्वर्गदूत खड़ा है। उसने ऊँचे आकाश में उड़ने वाले सभी पक्षियों से ऊँचे स्वर में कहा, “आओ, परमेश्वर के महाभोज के लिए एकत्र हो जाओ,

18	ἵνα	φάγητε	σάρκας	βασιλέων,	καὶ	σάρκας	χιλιάρχων,	καὶ	σάρκας
	ताकि	खाओ	माँस	राजाओं-के	और	माँस	सेनापतियों-के	और	माँस
	G2443	G5315	G4561	G0935	G2532	G4561	G5506	G2532	G4561

ἰσχυρῶν,	καὶ	σάρκας	ἵππων,	καὶ	τῶν	καθημένων	ἐπ’	αὐτῶν,	καὶ	σάρκας
शक्तिशालियों-के	और	माँस	घोड़ों-के	और	उन	बैठनेवालों-के	पर	उन	और	माँस
G2478	G2532	G4561	G2462	G2532	G3588	G2521	G1909	G0846	G2532	G4561

πάντων,	ἐλευθέρων	τε	καὶ	δούλων,	καὶ	μικρῶν	καὶ	μεγάλων.
सब-के	स्वतन्त्रों	और	और	दासों	और	छोटों	और	बड़ों
G3956	G1658	G5037	G2532	G1401	G2532	G3398	G2532	G3173

> ताकि तुम शासकों, सेनापतियों, प्रसिद्ध पुरुषों, घोड़ों और उनके सवारों का माँस खा सको। और सभी लोगों स्वतन्त्र व्यक्तियों, सेवकों छोटे लोगों और महत्वपूर्ण व्यक्तियों की देहों को खा सको।”

19	Καὶ	εἶδον	τὸ	θηρίον,	καὶ	τοὺς	βασιλεῖς	τῆς	γῆς,	καὶ	τὰ
	और	मैंने-देखा	वह	पशु	और	वे	राजा	उस	पृथ्वी-के	और	वे
	G2532	G3708	G3588	G2342	G2532	G3588	G0935	G3588	G1093	G2532	G3588

στρατεύματα	αὐτῶν,	συνηγμένα	ποιῆσαι	τὸν	πόλεμον	μετὰ	τοῦ	καθημένου	ἐπὶ
सेनाएँ	उनकी	इकट्ठा-की-हुई	करने-को	वह	युद्ध	साथ	उस	बैठे-हुए	पर
G4753	G0846	G4863	G4160	G3588	G4171	G3326	G3588	G2521	G1909

τοῦ	ἵππου,	καὶ	μετὰ	τοῦ	στρατεύματος	αὐτοῦ.
उस	घोड़े	और	साथ	उस	सेना	उसकी
G3588	G2462	G2532	G3326	G3588	G4753	G0846

> फिर मैंने उस पशु को और धरती के राजाओं को देखा। उनके साथ उनकी सेना थी। वे उस घुड़सवार और उसकी सेना से युद्ध करने के लिए एक साथ आ जुटे थे।

20	καὶ	ἐπιάσθη	τὸ	θηρίον,	καὶ	μετ’	αὐτοῦ	ὁ	ψευδοπροφήτης,	ὁ
	और	पकड़ा-गया	वह	पशु	और	साथ	उसके	वह	झूठा-भविष्यद्वक्ता	वह
	G2532	G4084	G3588	G2342	G2532	G3326	G0846	G3588	G5578	G3588

ποιήσας	τὰ	σημεῖα	ἐνώπιον	αὐτοῦ,	ἐν	οἷς	ἐπλάνησεν	τοὺς	λαβόντας	τὸ
करनेवाला	वे	चिह्न	साम्हने	उसके	में	जिनसे	भटकाया	उन	पानेवालों-को	वह
G4160	G3588	G4592	G1799	G0846	G1722	G3739	G4105	G3588	G2983	G3588

χάραγμα	τοῦ	θηρίου,	καὶ	τοὺς	προσκυνοῦντας	τῇ	εἰκόνι	αὐτοῦ.	ζῶντες
चिह्न	उस	पशु-का	और	उन	पूजनेवालों-को	उस	मूर्ति	उसकी	जीवित
G5480	G3588	G2342	G2532	G3588	G4352	G3588	G1504	G0846	G2198

ἐβλήθησαν	οἱ	δύο	εἰς	τὴν	λίμνην	τοῦ	πυρὸς,	τῆς	καιομένης	ἐν	θείῳ;
डाले-गए	वे	दोनों	में	उस	झील	उस	आग-की	उस	जलती-हुई	में	गंधक
G0906	G3588	G1417	G1519	G3588	G3041	G3588	G4442	G3588	G2545	G1722	G2303

> पशु को घेर लिया गया था। उसके साथ वह झूठा नबी भी था जो उसके सामने चमत्कार दिखाया करता था और उनको छला करता था जिन पर उस पशु की छाप लगी थी और जो उसकी मूर्ति की उपासना किया करते थे। उस पशु और झूठे नबी दोनों को ही जलते गंधक की भभकती झील में जीवित ही डाल दिया गया था।

21	καὶ	οἱ	λοιποὶ	ἀπεκτάνθησαν	ἐν	τῇ	ῥομφαίᾳ	τοῦ	καθημένου	ἐπὶ
	और	वे	शेष	मारे-गए	में	उस	तलवार	उस	बैठे-हुए	पर
	G2532	G3588	G3062	G0615	G1722	G3588	G4501	G3588	G2521	G1909

τοῦ	ἵππου	τῇ	ἐξελθούσῃ	ἐκ	τοῦ	στόματος	αὐτοῦ;	καὶ	πάντα	τὰ
उस	घोड़े	उस	निकली-हुई	से	उस	मुँह	उसके	और	सब	वे
G3588	G2462	G3588	G1831	G1537	G3588	G4750	G0846	G2532	G3956	G3588

ὄρνεα	ἐχορτάσθησαν	ἐκ	τῶν	σαρκῶν	αὐτῶν.
पक्षी	तृप्त-हुए	से	उन	माँसों	उनके
G3732	G5526	G1537	G3588	G4561	G0846

> घोड़े के सवार के मुख से जो तलवार निकल रही थी, बाकी के सैनिक उससे मार डाले गए फिर पक्षियों ने उनके शवों के माँस को भर पेट खाया।